# बाबा साहब की स्नेह भूमि है लखनऊ : कोविंद

## कहा- डॉ. आंबेडकर के जीवन मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप समाज एवं राष्ट्र का निर्माण ही हमारी वास्तविक सफलता

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि लखनऊ शहर से बाबा साहब का खास संबंध रहा है। इसके कारण ही लखनऊ को बाबा साहब की 'स्नेह भूमि' कहा जाता है। बाबा साहब के लिए गुरु समान बोधानंद और उन्हें दीक्षा प्रदान करने वाले भदंत प्रज्ञानंद दोनों का निवास लखनऊ में ही था।

**राष्ट्रपति ने बताया कि** दिसंबर 2017 में भदंत प्रज्ञानंद की पुण्यस्थली पर जाकर उनकी स्मृतियों को सादर नमन किया था। कहा कि, बाबा साहब की स्मृतियों से जुड़े सभी स्थल भारतवासियों के लिए विशेष महत्व रखते हैं। भारत सरकार ने दिसंबर 2017 से दिल्ली में डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर की स्थापना कर देश-विदेश में बाबा साहब के विचारों के प्रचार-प्रसार का एक महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराया है। आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि बाबा साहब के जीवन मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप समाज एवं राष्ट्र का निर्माण करने में ही हमारी वास्तविक सफलता है। इस दिशा में देश ने प्रगति की है, लेकिन हमें अभी और आगे जाना है।

**ये प्रमुख लोग रहे मौजूद :** कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, डॉ. दिनेश शर्मा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लालजी प्रसाद निर्मल, मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

### बाबा साहेब के विचारों को हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए सराहनीय कदम : राजनाथ

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना बाबा साहेब के विचारों को हर वर्ग तक पहुंचाने की दिशा में प्रदेश सरकार का सराहनीय कदम है। उन्होंने ट्वीट कर बाबा साहेब आंबेडकर की स्मृति में एक स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास के लिए राष्ट्रपति का आभार जताया।

### राष्ट्र की चेतना व दिशा तय की : तिवारी

पर्यटन मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहा कि बाबा साहब ने राष्ट्र की चेतना एवं दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका

प्रस्तावित सांस्कृतिक केंद्र शोध जगत में अपनी विशेष पहचान बनाएगा

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को नमन किया। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। फोटो : एजेंसी

### धर्म व शिक्षा के क्षेत्र में आंबेडकर का अमूल्य योगदान

राष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृति, धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में भी बाबा साहब ने अमूल्य योगदान दिया है। बैंकिंग, इरिगेशन, इलेक्ट्रिसिटी सिस्टम, लेबर मैनेजमेंट सिस्टम, रेवेन्यू शेयरिंग सिस्टम, शिक्षा व्यवस्था जैसे क्षेत्रों में डॉ. आंबेडकर के योगदान की छाप है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के जीवन मूल्यों में नैतिकता, समता, आत्मसम्मान और भारतीयता दिखाई देती है। वर्ष 2016 में 100 से भी अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त राष्ट्र संघ में हुए बाबा साहब डॉ. आंबेडकर की 125वीं जयंती समारोह में भागीदारी करते हुए मानवता के समग्र विकास में उनके बहुमूल्य योगदान को सराहा था।

### योगी सरकार की सराहना

कोविंद ने कहा बाबा साहब के स्मारक के रूप में सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण करने की योगी सरकार की पहल सराहनीय है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रस्तावित शोध केंद्र बाबा साहब की गरिमा के अनुरूप उच्च स्तरीय शोध कार्य कर शोध जगत में अपनी विशेष पहचान बनाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि यह सांस्कृतिक केंद्र सभी देशवासियों, विशेष कर युवा पीढ़ी को बाबा साहब के आदर्शों एवं उद्देश्यों से परिचित कराने में अपनी प्रभावी भूमिका निभाएगा।

### पीएम मोदी ने तारीफ की

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी लखनऊ में डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र बनाए जाने की तारीफ की। प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए योगी सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक केंद्र युवाओं के बीच डॉ. आंबेडकर के आदर्शों को और लोकप्रिय बनाएगा। उनके आदर्शों से जन-जन को परिचित कराने का उद्देश्य भी पूरा करेगा।

### सात साल में बाबा साहब की स्मृतियों को जीवंत किया : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा व मार्गदर्शन में बीते सात सालों में देश में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की स्मृतियों को जीवंत बनाया गया है। इसी कड़ी में लखनऊ में डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है। प्रयास किया जाएगा कि केंद्र का समयबद्ध निर्माण कर जल्द उद्घाटन किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में वंचितों, दलितों, उपेक्षितों तथा अंतिम पायदान के व्यक्ति के उत्थान की बात होगी तो डॉ. आंबेडकर का नाम श्रद्धा एवं सम्मान के साथ लिया जाएगा। सीएम ने कहा कि आज का दिन इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि, आज ही के दिन 29 जून 1928 को बाबा साहब ने समतामूलक समाज की स्थापना और देश की आजादी की लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए 'समता' नामक समाचार पत्र का शुभारंभ किया था।

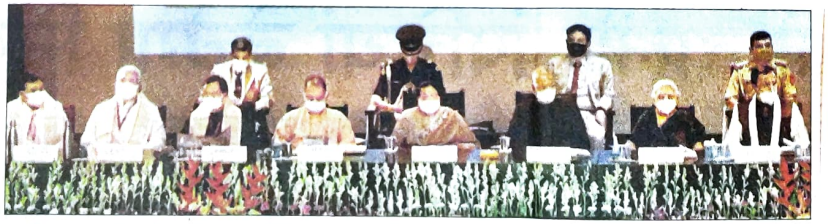

शिलान्यास कार्यक्रम में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी, डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा व केशव प्रसाद मौर्य।

**आधुनिक भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका के पक्षधर थे :** कोविंद ने कहा कि बाबा साहब आधुनिक भारत के निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के पक्षधर थे। वे महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के लिए सदैव सक्रिय रहे। संविधान में उन्होंने शुरुआत से ही मताधिकार समेत प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार प्रदान किए हैं। विश्व के अन्य प्रमुख लोकतांत्रिक देशों में यह समानता महिलाओं को लंबे समय के बाद ही मिल पाई थी।

राजभवन में जूडो खिलाड़ियों से मिले राष्ट्रपति।

### शिक्षा परिवर्तन का माध्यम : राज्यपाल

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि शिक्षा परिवर्तन का माध्यम है। यह जीविका कमाने के साथ ही राष्ट्र निर्माण में योगदान देने में भी सहायक होती है। सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास को गर्व का विषय बताते हुए उन्होंने कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष और उपलब्धियों की गाथा है। बाबा साहब द्वारा गढ़े गए संविधान से मिले कवच से देश के सभी लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब चाहते थे कि शिक्षा शोषित और वंचित लोगों के जीवन में प्रकाश लाए।

नवभारत टाइम्स । कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित) । बुधवार, 30 जून 2021

# लोक कलाकारों ने किया राष्ट्रपति का स्वागत

लोकभवन में राष्ट्रपति के स्वागत के दौरान प्रदेश के लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक रंग पेश किए। डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न अंचलों के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां कर पूरा माहौल लोकरंग से भर दिया। पारंपरिक धोबिया, फरूवाई, राई, ढिढिया, मयूर, बम रसिया लोकनृत्य के रंग खूब जमे। काशी से आईं 11 छात्राओं ने शंख वादन, स्वस्तिवाचन व बौद्ध संस्थान की ओर से संगायन हुआ तो पूरा वातावरण आध्यात्मिक हो उठा।

## कार्यक्रम में छाए प्रदेश के लोकरंग

## राष्ट्रपति ने सीएम को भेंट की अपनी पुस्तक

■ **एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ:** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को अपने भाषणों के संकलन पर आधारित पुस्तक 'लोकतंत्र के स्वर' भेंट की। राष्ट्रपति शाम को दिल्ली रवाना हो गए। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व सीएम ने उन्हें एयरपोर्ट पर विदाई दी। इससे पहले सुबह नाश्ते की टेबल पर भी राष्ट्रपति ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, दिनेश शर्मा, मेयर संयुक्ता भाटिया सहित कई अन्य लोगों से संवाद किया। उन्होंने राजभवन के जूडो प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों के साथ फोटो भी खिंचवाई।



## राष्ट्रपति की बेटी फिर पहुंचीं खरीदारी करने

■ **एनबीटी, लखनऊ:** दिल्ली रवाना होने से पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की बेटी स्वाति मंगलवार को फिर चिकन के कपड़े की खरीदारी करने हजरतगंज पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने सलवार-सूट, साड़ी और कुर्ता-पायजामा खरीदा। शोरूम के मालिक प्रभात गर्ग ने बताया कि राष्ट्रपति की बेटी करीब एक घंटे शोरूम में रहीं। इस दौरान उन्हें सम्मानित भी किया गया। सोमवार को भी राष्ट्रपति की बेटी ने हजरतगंज में चिकन के कपड़ों की खरीदारी की थी।

### राजनाथ ने ट्वीट कर दिया धन्यवाद



राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के हाथों लखनऊ में बाबा साहेब आंबेडकर की स्मृति में स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र की आधारशिला रखी गई। राष्ट्रपतिजी को इसके लिए बहुत धन्यवाद। बाबा साहेब के विचारों को हर वर्ग तक पहुंचाने की दिशा में यूपी सरकार का यह कदम सराहनीय है। *-राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री*

---

**समता की ओर** राष्ट्रपति ने किया आंबेडकर स्मारक व सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास

# 'सबका कल्याण, हर सरकार का दायित्व'

■ एनबीटी ब्यूरो, **लखनऊ :** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि सबका कल्याण करना लोकतंत्र में हर सरकार का दायित्व है। जब तक समता मूलक समाज का निर्माण नहीं होगा, तब तक देश का समृद्ध विकास नहीं होगा। अच्छी बात है कि वर्तमान सरकार 'भवतु सब्ब मंगलम' के मूल पाठ को साकार कर रही है।

राष्ट्रपति ने मंगलवार को लोकभवन में वुर्चअल माध्यम से भारत रत्न भीमराव आंबेडकर स्मारक व सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास किया। ऐशबाग में बनने वाले इस केंद्र पर योगी सरकार 45 करोड़ रुपये खर्च करेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने पूरा जीवन समता की स्थापना के लिए समर्पित कर दिया। उनका कहना था कि हम पहले भारतीय हैं और आखिर में भी भारतीय हैं। इसके अलावा अन्य कोई पहचान नहीं है।

**'लखनऊ थी बाबासाहेब की स्नेह भूमि':** राष्ट्रपति ने कहा कि लखनऊ बाबासाहेब की स्नेह भूमि कही जाती है। उनके गुरु समान बोधानंद व उन्हें दीक्षा देने वाले भगत प्रज्ञानंद का यहीं निवास था। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पीएम के भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि उनके बिना संविधान विधिक दस्तावेज तो होता, लेकिन सामाजिक दस्तावेज नहीं होता। कार्यक्रम में राष्ट्रपति की पत्नी सविता कोविंद, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य, दिनेश शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, आंबेडकर महासभा के अध्यक्ष लालजी निर्मल भी मौजूद थे।

लोकभवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने डॉ. आंबेडकर की तस्वीर पर फूल चढ़ाए। इस दौरान यूपी की राज्यपाल और मुख्यमंत्री भी मौजूद थे।

### ये होंगी खासियतें

**5,500** वर्गमीटर में ₹45 करोड़ की लागत से बनेगा

**750** लोगों की क्षमता वाला प्रेक्षागृह व आंबेडकर की मूर्ति भी होगी

■ पिक्चर गैलरी, म्यूजियम, रिसर्च सेंटर व लाइब्रेरी भी होगी

**"आंबेडकर स्मारक व सांस्कृतिक केंद्र बाबा साहेब के विचारों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाएगा। यूपी सरकार को इस प्रयास के लिए बधाई।"** *-नरेंद्र मोदी, पीएम*

### 'जीवंत की जा रहीं बाबासाहेब की स्मृतियां'

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाबासाहेब की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए लगातार काम हो रहा है। पूरे विश्व में जब भी वंचितों, दलितों, उपेक्षितों व समाज के अंतिम व्यक्ति के अधिकार की बात होगी तो बाबासाहेब का नाम लिया जाएगा। आज से 93 वर्ष पहले डॉ. आंबेडकर ने आज के ही दिन 'समता' नामक साप्ताहिक समाचार पत्र निकाला था।

लखनऊ के ऐशबाग में प्रस्तावित डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का मॉडल • सौ : सूचना विभाग

## उप्र सरकार का कदम सराहनीय : राजनाथ

**राज्य ब्यूरो, लखनऊ :** भारत रत्न डा.भीमराव अंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास पर रक्षा मंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने भी प्रसन्नता जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट किया- भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के हाथों लखनऊ में बाबा साहेब आंबेडकर की स्मृति में एक स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र की आधारशिला रखी गई। राष्ट्रपति को इसके लिए बहुत धन्यवाद। बाबा साहेब के विचारों को हर वर्ग तक पहुंचाने की दिशा में उप्र सरकार का यह कदम सराहनीय है।

# आंबेडकर महासभा से स्थानांतरित किया जाएगा अस्थि कलश

**राज्य ब्यूरो, लखनऊ :** नया स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र बन जाने के बाद डा.भीमराव आंबेडकर के अनुयायियों की आस्था का केंद्र भी बदल जाएगा। 1991 में बाबा साहब का जो अस्थि कलश विधानसभा मार्ग स्थित आंबेडकर महासभा भवन में स्थापित किया गया था, वह अब भव्य स्मारक में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। पूरी संभावना है कि निर्माण दिसंबर तक पूरा हो जाए और आंबेडकर परिनिर्वाण दिवस यानी छह दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करें।

युवा पीढ़ी को डा.आंबेडकर के आदर्शों से परिचित कराने के लिए प्रदेश सरकार लखनऊ स्थित ऐशबाग ईदगाह के सामने लगभग पांच हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में भारत रत्न डा.भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण करा रही है, जिसका शिलान्यास मंगलवार को राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने किया। संस्कृति विभाग द्वारा बनवाए जा रहे इस प्रेरणा स्थल पर डा. आंबेडकर के दर्शन एवं विचारों, उनके आदर्शों एवं शिक्षाओं व भारत के नवनिर्माण में उनके योगदान पर शोध करने के लिए एक संदर्भ पुस्तकालय और संग्रहालय बनेगा। प्रवेश द्वार के ठीक सामने आंबेडकर की 25 फीट ऊंची प्रतिमा लगाई जाएगी। सांस्कृतिक केंद्र में पुस्तकालय, शोध केंद्र, अत्याधुनिक प्रेक्षागृह, संग्रहालय, डारमेट्री, कैफेटेरिया, भूमिगत पार्किंग और अन्य जनसुविधाएं विकसित की जाएंगी।

विधान भवन मार्ग स्थित आंबेडकर महासभा के भवन में रखा भारतरत्न डॉ.भीमराव आंबेडकर का अस्थि कलश • जागरण

**बाबा साहब की पवित्र अस्थियों का कलश भी यहां स्थापित करने का फैसला हो चुका है।** यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि लोकभवन के ठीक बगल में स्थित भारत रत्न डा. भीमराव आंबेडकर महासभा के भवन में 1991 में आंबेडकर के अस्थि कलश की स्थापना की गई थी। यह आंबेडकर के अनुयायियों की आस्था का केंद्र है। महासभा के अध्यक्ष डा. लालजी प्रसाद निर्मल का कहना है कि राष्ट्रपति ने भारत रत्न डा. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र की आधारशिला रखकर डा. आंबेडकर का सम्मान बढ़ाया है। निर्माण होने के बाद महासभा में रखा गया अस्थि कलश केंद्र में स्थापित होगा। केंद्र में बाबा साहब पर शोध होंगे और लोग उनकी जीवनी के बारे में और विस्तार से जानकारी कर पाएंगे।

महासभा का अस्तित्व बना रहेगा और महासभा नवनिर्मित केंद्र में भागीदार होगी। उनका कहना है कि विधानसभा मार्ग स्थित महासभा के भवन में भविष्य में जो कुछ होगा, वह अच्छा ही होगा। अभी फिलहाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का इस केंद्र के निर्माण करने का निर्णय स्वागतयोग्य है।

## डा. आंबेडकर के आदर्शों को और भी लोकप्रिय बनाएगा स्मारक : मोदी

**राज्य, लखनऊ :** राजधानी के ऐशबाग में बनाए जा रहे भारत रत्न डा.भीमराव अंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योगी सरकार की सराहना की है। राष्ट्रपति द्वारा मंगलवार को स्मारक का शिलान्यास किए जाने के बाद प्रधानमंत्री ने इसे लेकर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि यह स्मारक युवाओं के बीच बाबा साहब डा.भीमराव आंबेडकर के आदर्शों को और लोकप्रिय बनाएगा। इस दिशा में पहल करने के लिए उन्होंने योगी सरकार की तारीफ की।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री • जागरण आर्काइव

# राष्ट्रपति के स्वागत में लोकनृत्य का गुलदस्ता

## गांधी प्रतिमा से लेकर लोकभवन गेट तक बिखरी सतरंगी छटा, सूबे के कई जिलों से आए कलाकार

**जासं, लखनऊ:** देश के प्रथम नागरिक व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के स्वागत का खास इंतजाम किया गया था। लोकभवन में आयोजित सैमारोह में आने से पहले जगह-जगह कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए लोककला की सतरंगी छटा बिखेरी। गांधी प्रतिमा से लेकर लोकभवन गेट तक लोकनृत्य का गुलदस्ता पेशकर कलाकारों ने न केवल प्रतिभा का प्रदर्शन किया बल्कि राष्ट्रपति के सामने उत्कृष्ट कला को दिखाने का सफल प्रयास भी किया।

**लोक** भवन के मुख्य गेट के सामने **ढेढिया** लोकनृत्य: लखनऊ की निधि श्रीवास्तव के निर्देशन में 15 कलाकारों ने लोक भवन के सामने ढेढिया लोकनृत्य पेशकर किया। सिर पर मटकी को संतुलित कर नृत्य करते कलाकारों की प्रतिभा देखते ही बन रही थी। राष्ट्रपति को एक झलक देखने की उत्सुकता भी कलाकारों के उत्साह को दो गुना कर रही थी।

राम नदिया अगम बहि जाए...: गांधी प्रतिमा के पास अयोध्या के कलाकारों ने राम नदिया अगम बहि जाए, जैहिमा केउ-केउ नहाए...गीत पर फैरवाही लोकनृत्य पेशकर सभी का दिल जीत लिया। हारमोनियम, बांसुरी व नगाड़े की धुन पर माता प्रसाद वर्मा व उनके 16 सदस्यीय दल ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

छात्राओं ने शंखनाद के साथ किया स्वास्ति वाचन: एक ओर लोकभवन में राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के स्वागत में कलाकार विधानसभा मार्ग पर अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे थे तो दूसरी ओर लोकभवन में शंखनाद व स्वास्ति वाचन के बीच राष्ट्रपति, डा.भीमराव अंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र की आधारशिला रख रहे थे। वाराणसी के पाणिनी कन्या महाविद्यालय की 10 छात्राओं के दल ने स्वास्ति वाचन व शंखनाद किया तो पूरा लोकभवन भक्ति से सराबोर हो उठा। महाविद्यालय की प्राचार्य नंदिता शास्त्री के संयोजन में आए छात्राओं के दल ने इसके लिए पहले सी तैयारी पूरी कर ली थी। शिक्षक हरिओम द्विवेदी व शिक्षिका मधु कपूर के नेतृत्व में वेदपाठी अंजलि राजावत, गार्गी आर्या, मनीषा सोंधिया, कुंती रावसाहेब गायकवाड़, रोशनी प्रधान, कनिष्का वशिष्ठ, मोना घिमिरे, स्मृति आर्या, श्रद्धा मिश्रा व काजल ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

**लोक कलाकारों को मिली संजीवनी:** कोरोना संक्रमण काल में मंच का इंतजार कर रहे लोक कलाकारों को राष्ट्रपति के स्वागत के बहाने संस्कृति विभाग ने संजीवनी देने का सफल प्रयास किया। पहली बार राष्ट्रपति के स्वागत में अपनी कला का प्रदर्शन करने मौका पाकर कलाकारों में उत्साह भी नजर आया। ढेढिया लोकनृत्य के साथ आई निधि श्रीवास्तव ने बताया कि एक सच्चे कलाकार को ऐसे मौके की तलाश रहती है। लखनऊ महोत्सव समेत कई मंचों पर कला का प्रदर्शन करने का मौका मिला, लेकिन देश के प्रथम नागरिक के सामने पहली बार प्रदर्शन का मौका पाकर उत्साहित हूं।

मनोहारी: लखनऊपुरी में राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द का सत्कार कला के अनोखे रंगों से किया गया। पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों की हृदय की गति से ताल मिलाती प्रस्तुतियां उल्लास की कहानी कह रही थीं। गांधी प्रतिमा के पास बुंदेलखंड के लोक नृत्य राई सेहरा की आकर्षक छटा देश के प्रथम नागरिक का स्वागत कर रही थी • ब्रजेश पटेल

### मयूर नृत्य ने मोह लिया मन

लोकभवन के गेट के पास मथुरा से आए राजेश प्रसाद शर्मा व साथियों ने मयूर नृत्य के माध्यम से राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द का स्वागत और फिर विदाई दी। आजमगढ़ से आए उमेश कनौजिया ने लिल्ली घोड़ी के साथ 15 साथी कलाकारों संग इस लुप्त होती विधा का प्रदर्शन कर इसकी प्रासंगिकता के बारे में बताने का प्रयास किया।

### बुंदेलखंडी राई सेहरा नृत्य ने जीत लिया दिल

गांधी प्रतिमा के पास रखियो मोरी लाज, मइहर शारदा भावनी... राई सेहरा गीत पर कलाकारों ने लोकनृत्य पेश किया। निशांत सिंह भदौरिया के निर्देशन में 15 कलाकारों ने माहौल को भक्ति से सराबोर कर दिया।

# छह दिसंबर तक बन जाएगा सांस्कृतिक केंद्र

लोक भवन में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास करते राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द, साथ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री डा.दिनेश शर्मा • जागरण

**जागरण संवाददाता, लखनऊ :** ऐशबाग हाइट्स अपार्टमेंट से चंद मीटर दूरी पर आंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र बनाने की तैयारी तेज हो गई है। नगर निगम द्वारा जहां साठ हजार वर्ग फिट के भूखंड पर सफाई का काम तेजी से चल रहा है, वहीं बाबा साहब आंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस यानी छह दिसंबर को आंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र का उद्घाटन करने का प्रयास संबंधित विभाग करेगा। इस दौरान केंद्र के निर्माण से जुड़ा अधिकांश काम कर लिया जाएगा।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के ऐशबाग हाइट्स के बगल में ही नजूल की साठ हजार वर्ग फिट जमीन पर आंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र बनाने का काम किया जाएगा। यहां डा. भीमराव आंबेडकर की विशाल प्रतिमा लगने के साथ ही बाबा साहब से जुड़ी यादों को संग्राहलय में संकलित करके लगाया जाएगा। यहां कार्यक्रमों के लिए पांच सौ से अधिक क्षमता का सभागार बनाने की तैयारी है। उद्देश्य है कि बाबा साहब के संघर्षों की गाथा को आने वाली पीढ़ियों को भी दिखाया जा सके।

पत्रकारों के लिए सांस्कृतिक केंद्र के बगल में बनेंगे अपार्टमेंट: आंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र के बगल में नजूल की जमीन पर पत्रकारों के लिए बहुमंजिला अपार्टमेंट बनाए जाएंगे। सोमवार को सूचना विभाग से जुड़े अफसरों ने स्थलीय निरीक्षण भी किया। यहां पत्रकारों को सस्ते दर पर फ्लैट मुहैया कराए जाएंगे। अभी तक जमीन की देखभाल लखनऊ विकास प्राधिकरण कर रहा था, जो नजूल की थी। वर्तमान में इस जमीन पर कुछ झुग्गी झोपड़ी में लोग रह रहे हैं।

### सफल रहा डायवर्जन, सामान्य रहा यातायात

**लखनऊ :** राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के कार्यक्रम के मद्देनजर किया गया ट्रैफिक डायवर्जन काफी हद तक सफल रहा। दूसरे दिन मंगलवार सुबह करीब 11:30 बजे लोक भवन में राष्ट्रपति के कार्यक्रम के मद्देनजर जैसे ही अलर्ट हुआ। हजरतगंज चौराहे पर अशोक मार्ग, महात्मागांधी मार्ग, स्टेशन रोड, विधानसभा मार्ग पर वाहनों का आवागमन रोक दिया गया। इस दौरान भी वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से निकाला गया। पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की डायवर्जन व्यवस्था की रणनीति सफल रही।

## बाबा साहब का जीवन संघर्ष और उपलब्धियों की गाथा : राज्यपाल

**राज्य, लखनऊ:** डा. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि राष्ट्रपति द्वारा भारत रत्न डा. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र में प्रेक्षागृह, पुस्तकालय, शोध केंद्र सहित बाबा साहब की विशालकाय मूर्ति की स्थापना की जाएगी। इसके लिए प्रदेश सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष और उपलब्धियों की गाथा है।

## छांव में राष्ट्रपति का इंतजार...

लोक भवन के बाहर राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द का इंतजार कर रहे कलाकारों को भीषण उमस के बीच धूप ने सताया तो वे राहत पाने के लिए फुटपाथ किनारे लगी होर्डिंग की छाया में बैठ गए • जागरण

दैनिक जागरण लखनऊ, 30 जून, 2021

# बाबा साहब के आदर्शों पर राष्ट्र निर्माण ही हमारी वास्तविक सफलता : राष्ट्रपति

## कोविन्द ने किया डा. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, लखनऊः राजधानी लखनऊ में योगी सरकार द्वारा बनवाए जा रहे डा. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र की आधारशिला यहां राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने रखी। लोकभवन में आयोजित वर्चुअल शिलान्यास समारोह में उन्होंने संविधान निर्माता डा. आंबेडकर के जीवनमूल्यों और आदर्शों के विभिन्न पहलुओं को छुआ। इस दिशा में वर्तमान केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि बाबा साहब के जीवनमूल्यों और आदर्शों के अनुरूप समाज व राष्ट्र का निर्माण करने में ही हमारी वास्तविक सफलता है।

उत्तर प्रदेश प्रवास के पांचवें दिन मंगलवार को शिलान्यास समारोह में कोविन्द ने कहा कि लखनऊ को बाबा साहब की स्नेह-भूमि भी कहा जाता है। बाबा साहब के लिए गुरु समान बोधानंद जी और उन्हें दीक्षा प्रदान करने वाले भदंत प्रज्ञानंद जी का निवास लखनऊ में ही था। उन्होंने कहा कि आंबेडकर की स्मृतियों से जुड़े सभी स्थल भारतवासियों के लिए विशेष महत्व रखते हैं। भारत सरकार ने इन्हें तीर्थ स्थलों के रूप में विकसित किया है। मध्य प्रदेश के महू में उनकी जन्मभूमि, नागपुर में दीक्षा-भूमि, दिल्ली में परिनिर्वाण स्थल, मुंबई में चैत्य भूमि और लंदन में आंबेडकर मेमोरियल होम को तीर्थस्थलों की श्रेणी में रखा गया है। साथ ही दिसंबर, 2017 से दिल्ली में आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर की स्थापना से देश-विदेश में बाबा साहब के विचारों के प्रचार-प्रसार का एक महत्वपूर्ण मंच राष्ट्रीय राजधानी में भी उपलब्ध है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि अब लखनऊ में बन रहा यह सांस्कृतिक केंद्र सभी देशवासियों को, विशेषकर युवा पीढ़ी को बाबा साहब के आदर्शों एवं उद्देश्यों से परिचित कराने में प्रभावी भूमिका निभाएगा। मंच पर राष्ट्रपति की पत्नी व देश की प्रथम महिला सविता कोविन्द, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, डा. दिनेश शर्मा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. नीलकंठ तिवारी और मुख्य सचिव आरके तिवारी भी थे। संबंधित खबरें >> जागरण सिटी



लखनऊ में मंगलवार को लोक भवन में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास कार्यक्रम में बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द। साथ में उपस्थित राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • फोटोः सूचना विभाग

- **कहा-आंबेडकर की स्नेह स्थली है लखनऊ, युवा पीढ़ी को प्रेरणा देगा सांस्कृतिक केंद्र**
- **आंबेडकर की स्मृतियों से जुड़े सभी स्थलों का भारतवासियों के लिए विशेष महत्व**

### भारत की धरती पर भगवान बुद्ध के विचारों का गहरा प्रभाव

राम नाथ कोविन्द ने भगवान बुद्ध के विचारों का भारत की धरती पर गहरा प्रभाव बताया। बोले कि भारतीय संस्कृति के महत्व को न समझने वाले साम्राज्यवादी लोगों को भी महात्मा बुद्ध से जुड़े सांस्कृतिक आयामों को अपनाना पड़ा। राष्ट्रपति भवन के भव्य गुंबद की बनावट बौद्ध धर्म से जुड़ी वैश्विक विरासत सांची स्तूप पर आधारित है। उसी गुंबद पर हमारा राष्ट्रीय ध्वज लहराता है। हमारे राष्ट्र ध्वज के केंद्र में सारनाथ के धर्मचक्र पर आधारित अशोक चक्र अंकित है। राष्ट्रपति भवन, संसद भवन और राजधानी नई दिल्ली के अनेक महत्वपूर्ण स्थलों पर भगवान बुद्ध से जुड़े प्राचीन भारतीय प्रतीक व स्थापत्य के उदाहरण मौजूद हैं। लोकसभा में अध्यक्ष की कुर्सी के पीछे धर्मचक्र प्रवर्तनाय का संदेश अंकित है, जिसका आह्वान गौतम बुद्ध ने अपने प्रथम प्रवचन में किया था।

### महिलाओं को दिलाया अधिकार

राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने कहा कि आंबेडकर आधुनिक भारत के निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के पक्षधर थे। हमारे संविधान में शुरू से ही मताधिकार समेत प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिए गए हैं। विश्व के अन्य प्रमुख लोकतांत्रिक देशों में यह समानता महिलाओं को लंबे समय के बाद ही मिल पाई थी।

### विजन में थीं चार बातें

राष्ट्रपति ने कहा कि बाबा साहब के विजन में चार बातें सबसे महत्वपूर्ण रहीं हैं। ये चार बातें हैं नैतिकता, समता, आत्मसम्मान और भारतीयता। इन चारों आदर्शों और जीवन मूल्यों की झलक उनके चिंतन और कार्यों में दिखाई देती है। डा. आंबेडकर की सांस्कृतिक सोच मूलतः समता और समरसता पर आधारित थी। अद्भुत प्रतिभा, मानव मात्र के प्रति करुणा और अहिंसा पर आधारित उनकी जीवन यात्रा व उपलब्धियों को विश्व समुदाय ने मान्यता दी है।

लोकभवन में डॉक्टर आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास के अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विश्वास जताया कि केंद्र बाबा साहब की स्मृतियों और संकल्पों को सहेजेगा। उन्होंने बाबा साहब को नमन किया। इस अवसर पर राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

**नमन** | लोकभवन में मंगलवार को कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के चित्र को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

**सत्कार** | राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को मंगलवार को लोकभवन में स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। इस अवसर पर प्रथम महिला नागरिक सविता कोविंद, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

● ऐशबाग में 45.04 करोड़ की लागत से बनेगा स्मारक ● मुख्यमंत्री बोले, केन्द्र स्मृतियों को और आगे बढ़ाएगा

# बाबा साहब की विरासत संजोएगा लखनऊ

लखनऊ | विशेष संवाददाता

डॉ. आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र बाबा साहब के आदर्शों और उनकी स्मृतियों को संजोने का काम करेगा। ऐशबाग में 45.04 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले स्मारक में 750 लोगों की क्षमता वाला सभागार, पुस्तकालय और बहुउद्देश्यीय सम्मेलन केंद्र समेत अन्य सुविधाएं होंगी। सांस्कृतिक विभाग जल्द ही निर्माण कार्य शुरू करेगा।

**विजन में नैतिकता, समता, आत्मसम्मान व भारतीयता:** लोकभवन में मंगलवार को स्मारक के शिलान्यास के बाद राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि बाबा साहब के विजन में नैतिकता, समता, आत्मसम्मान और भारतीयता यह चारों बातें नजर आती हैं। बाबा साहब महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के पक्षधर रहे, उन्होंने महिलाओं को मताधिकार दिलवाया। विश्व के अन्य कई प्रमुख लोकतांत्रिक देशों में महिलाओं को यह समानता बहुत बाद में मिल सकी।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि बाबा साहब द्वारा रचे गये संविधान के तले आज देश के सभी नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं।

लोकभवन में मंगलवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपने भाषणों के हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण की प्रति भेंट की।

**वंचितों की जब भी आवाज उठती है बाबा साहब याद आते हैं:** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस शिलान्यास समारोह में राष्ट्रपति द्वारा समय दिये जाने पर उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान शिल्पी के रूप में हम बाबा साहब का स्मरण करते हैं। अपने देश ही नहीं बल्कि पूरे दुनिया में वंचितों, शोषितों की जहां जब कभी आवाज उठती है तो बाबा साहब की चर्चा होती है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आज ही के दिन सन 1928 में बाबा साहब ने 'समता' नामक साप्ताहिक का प्रकाशन शुरू किया था। उ.प्र.सरकार इस अत्याधुनिक स्मारक के जरिये बाबा साहब की स्मृतियों को और आगे बढ़ाएगी। इस स्मारक का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा ताकि उसका भव्य उद्घाटन उस परिसर में समारोहपूर्वक हो सके।

इस समारोह में भारत की प्रथम महिला नागरिक सविता कोविंद, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री डा.दिनेश शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के चेयरमैन व आंबेडकर महासभा के अध्यक्ष डा. लालजी प्रसाद निर्मल मंच पर मौजूद थे। सभागार में राज्य सरकार के अनेक मंत्री, विधायक व सांसद भी उपस्थित थे।

## हम सभी के लिए गौरव के क्षण :आनंदी बेन पटेल

इस मौके पर राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि हम सभी के लिए यह गौरव की बात है कि देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के कर कमलों द्वारा संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास हो रहा है। राज्यपाल ने राष्ट्रपति और देश की प्रथम महिला का स्वागत किया।

## लखनऊ से था खास लगाव

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा कि समता मूलक समाज के उद्देश्य के साथ 93 साल पहले शुरू की गई बाबा साहब की यात्रा के आज हम सब साक्षी बने हैं।

**'स्नेह-भूमि' भी कहा जाता है:** लखनऊ शहर से बाबा साहब के संबंधों का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने बताया कि इस लखनऊ शहर से बाबा साहब आंबेडकर का भी एक खास संबंध रहा है, जिसके कारण लखनऊ को बाबा साहब की 'स्नेह-भूमि' भी कहा जाता है। उनका लखनऊ से विशेष लगाव था।

उन्होंने कहा कि बाबासाहब के लिए गुरु-समान, बोधानन्द जी और उन्हें दीक्षा प्रदान करने वाले भदंत प्रज्ञानंद जी, दोनों का निवास लखनऊ में ही था। इस नाते उनका लखनऊ में अक्सर आना होता था। उन्होंने कहा, 'बाबा साहब की स्मृतियों से जुड़े सभी स्थल हम भारतीयों के लिए विशेष महत्व रखते हैं।'

## राष्ट्रपति भवन से जोड़ी विरासत

राष्ट्रपति ने कहा कि नवंबर 2017 में बोधगया से पीपल का एक पौधा मंगवाया था और उसे राष्ट्रपति भवन में लगाया और मेरी दृष्टि में वह पौधा बुद्ध व डॉक्टर आंबेडकर की विश्व दृष्टि का प्रतीक है और वह छोटा सा छह इंच का पौधा अब छह फुट ऊंचा हो गया है। वह भगवान बुद्ध और बाबा साहब की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रपति भवन से जोड़ने में सहायक है।

## पंचतीर्थ बना रही केंद्र सरकार

केन्द्र सरकार बाबा साहब से जुड़े स्थानों को पंचतीर्थ स्थल के तौर पर विकसित कर रही है जिसमें मध्यप्रदेश में महू, नागपुर में दीक्षा स्थल पर स्मारक, मुम्बई में चैतन्य भूमि पर बाबा साहब आंबेडकर स्मारक, नई दिल्ली में आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर और अलीपुर रोड पर अम्बेडकर मेमोरियल शामिल है जहां डॉ आंबेडकर का महापरिनिर्वाण हुआ। पंच तीर्थ के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 नवंबर, 2015 को लंदन में अम्बेडकर स्मारक का उद्घाटन किया।

## ट्वीट कर पहल को सराहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी सरकार द्वारा डॉ. भीमराव स्मारक व सांस्कृतिक केंद्र बनाने की पहल की सराहना की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि 'यह केंद्र युवाओं में डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के आदर्शों को युवाओं में लोकप्रिय बनाने का काम करेगा। मैं इस दिशा में पहल के लिए यूपी सरकार की सराहना करता हूं।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस पहल की सराहना करते हुए ट्वीट में कहा कि 'भारत के राष्ट्रपति के हाथों लखनऊ में बाबा साहेब आंबेडकर की स्मृति में एक स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र की आज आधारशिला रखी गई। राष्ट्रपति को इसके लिए बहुत धन्यवाद।'

डॉक्टर भीमराव आंबेडकर सांस्कृतिक केन्द्र

# दलित साहित्य पर शोध के साथ वर्चुअल म्यूजियम, धरोहरें भी सुरक्षित रहेंगी

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

डॉक्टर भीमराव आंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र में प्रदेश के छात्र-छात्राएं शोध कर सकेंगे। इसे आंबेडकर व दलित साहित्य के शोध केन्द्र के रूप में भी बनाया जाएगा। इस केंद्र में वर्चुअल म्यूजियम भी होगा। एक तरफ जहां लोग डॉ. भीमराव आंबेडकर की जीवन गाथा से जुड़ी 15-15 मिनट की डॉक्यूमेंट्री देख सकेंगे वहीं उनकी अस्थियों को भी नमन कर पाएंगे। इसमें उनकी अस्थियां भी सुरक्षित रखी जाएंगी।

इसके निर्माण पर लगभग 65 करोड़ रुपए स्वीकृत हुआ है। डॉ भीमराव आंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र के निर्माण के लिए एलडीए ने ऐशबाग में नजूल की करीब डेढ़ एकड़ जमीन दी है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के शिलान्यास करने के साथ ही इसके निर्माण का रास्ता खुल गया। इसके लिए [illegible] तेजी से काम [illegible] यह केंद्र खूबसूरती के साथ-साथ अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इसकी डिजाइन आकर्षण का केंद्र होगी।

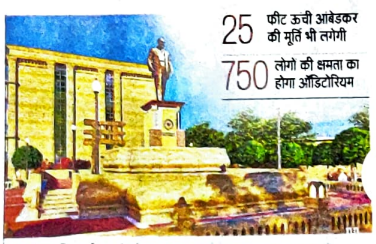



**25** फीट ऊंची आंबेडकर की मूर्ति भी लगेगी

**750** लोगों की क्षमता का होगा ऑडिटोरियम

### सांस्कृतिक केंद्र में ये होंगी खूबियां

- डॉक्टर भीमराव आंबेडकर से जुड़ी चीजें म्यूजियम में होंगी
- उनकी जीवन गाथा भी यहां सुनने को मिलेगी
- लाइब्रेरी भी होगी, दो लेक्चर रूम भी होंगे, जिसमें समय-समय पर लेक्चर भी होते रहेंगे
- [illegible] और छायाचित्र दीर्घा व संग्रहालय भी होगा, [illegible]

**06** दिसंबर तक पहला हिस्सा तैयार होगा। परिनिर्वाण दिवस पर मूर्ति का अनावरण होगा।

"डॉ भीमराव आंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र काफी खूबसूरत होगा। इसमें छात्र छात्राएं शोध कर सकेंगे। छायाचित्र दीर्घा सहित अन्य तमाम खूबियां होंगी।

**मुकेश कुमार मेश्राम**
प्रमुख सचिव, संस्कृति

लोक भवन के बाहर राष्ट्रपति के आगमन पर मंगलवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार।

लखनऊ। बुधवार • 30 जून • 2021 | राष्ट्रीय सहारा

# सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित राजनीति के पक्षधर थे बाबा साहेब

## राष्ट्रपति ने किया डा. आंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास

■ लखनऊ (एसएनबी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को लोक भवन के सभागार से डा. भीमराव आंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास करते हुए कहा कि बाबासाहेब आंबेडकर का लखनऊ से भी एक खास संबंध रहा है, इसलिए लखनऊ को उनकी 'स्नेह-भूमि' भी कहा जाता है। भारत सरकार ने उनसे जुड़े महत्वपूर्ण स्थानों को तीर्थ-स्थलों के रूप में विकसित किया। महू में उनकी जन्म-भूमि, नागपुर में दीक्षा-भूमि, दिल्ली में परिनिर्वाण-स्थल, मुंबई में चैत्य-भूमि तथा लंदन में 'आंबेडकर मेमोरियल होम' को तीर्थ-स्थलों की श्रेणी में रखा गया है। दिल्ली में 'आंबेडकर इन्टरनेशनल सेंटर' की स्थापना से देश-विदेश में बाबासाहेब के विचारों के प्रचार-प्रसार का एक महत्वपूर्ण मंच राष्ट्रीय राजधानी में भी उपलब्ध है। अब इस सांस्कृतिक केन्द्र के बन जाने से डा. आंबेडकर के विचारों को जानने में मदद मिलेगी। बाबा साहेब की स्नेह-भूमि लखनऊ में उनके स्मारक के रूप में सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण करने की उत्तर प्रदेश सरकार की पहल सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि वह भारतीय संविधान के शिल्पकार होने के साथ ही बैंकिंग, इरिगेशन, इलेक्ट्रिसिटी सिस्टम, लेबर मैनेजमेंट सिस्टम, रेवेन्यू शेयरिंग सिस्टम, शिक्षा व्यवस्था सहित सभी क्षेत्रों पर आंबेडकर के योगदान की छाप है।

लखनऊ। लोक भवन के सभागार से डा. भीमराव आंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास करते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, साथ हैं पत्नी सविता कोविंद, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

उन्होंने बाबा साहेब के 'विजन' 'नैतिकता', 'समता', 'आत्म-सम्मान' और 'भारतीयता' का जिक्र किया और कहा कि इन चारों आदर्शों तथा जीवन मूल्यों की झलक उनके चिंतन एवं कार्यों में दिखाई देती है। डाक्टर भीमराव आंबेडकर ने भगवान बुद्ध के विचारों को प्रसारित किया। जब बाबा साहब के समकालीन देशवासी कहते थे कि सबसे पहले हम भारतीय हैं उसके बाद ही हम हिन्दू, मुसलमान, सिख या ईसाई हैं।

(संबंधित खबरें पेज 2 पर)

## सभी के लिए आदर्श है संविधान शिल्पी का जीवन-कृतित्व : राज्यपाल

लखनऊ (एसएनबी)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के जीवन को सभी के लिए आदर्श बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि बाबा साहेब की स्मृतियों को संजोने और नई पीढ़ी को उनके मूल्यों से परिचित कराने ने यह नवीन केंद्र महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। राज्यपाल ने डा. आंबेडकर के जीवन मूल्यों, संघर्ष गाथा और समतामूलक समाज के लिए किए गए प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के आदर्शों को केंद्र में रखकर केंद्र व राज्य सरकार वंचित वर्ग के उत्थान के लिए अनेक प्रयास कर रही है।

## जहां भी वंचित-पीड़ित की बात होगी याद आएंगे बाबा साहेब : सीएम

लखनऊ (एसएनबी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय संविधान शिल्पी बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में पीड़ितों-वंचितों के सबसे ओजस्वी स्वर थे। जब भी कहीं दलित, पीड़ित, वंचित अथवा समाज के अंतिम पायदान पर मौजूद व्यक्ति की बात होगी, मानवता पूरी श्रद्धा के साथ बाबा साहेब का स्मरण करेगी। अम्बेडकर सांस्कृतिक केन्द्र के शिलान्यास कार्यक्रम की तिथि को लेकर सीएम ने बताया कि 93 वर्ष पूर्व 29 जून 1928 को ही डॉ. आंबेडकर ने 'समता' नाम से साप्ताहिक पत्रिका की शुरुआत की थी। इसीलिए जब उनकी स्मृतियों को सहेजने की दिशा में इस सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास का मौका है तो इससे बेहतर और कोई दिवस नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री योगी ने शिलान्यास की स्वीकृति देने के लिए राष्ट्रपति व श्रीमती कोविंद के प्रति आभार भी जताया। इस मौके पर उन्होंने राष्ट्रपति को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न व राज्यपाल ने श्रीमती सविता कोबिंद को वस्त्र व स्मृति चिह्न प्रदान किया। इससे पहले संस्कृति मंत्री डॉ.नीलकंठ तिवारी ने कहा कि इन दिनों देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, तो उत्तर प्रदेश चौरीचौरा शताब्दी वर्ष में वीरों को नमन कर रहा है।

अमर उजाला | सियासत | amarujala.com | लखनऊ | बुधवार, 30 जून 2021

# आंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र के जरिए सियासी संदेश देने की कोशिश

## भाजपा की नजर अनुसूचित जाति के वोटों पर, पार्टी के इस कदम से बसपा खेमे में खलबली

अनिल श्रीवास्तव

**लखनऊ।** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास कराकर भाजपा ने अनुसूचित जाति को सियासी संदेश देने की कोशिश की है। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा की नजर बसपा के अनुसूचित जाति वोट बैंक पर है।

भाजपा प्रदेश में बसपा की सियासी कमजोरी का फायदा उठाने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहती है। पार्टी, संगठन और सरकार लगातार कार्यक्रमों और योजनाओं के जरिये अनुसूचित जाति के बीच पैठ बनाने की कोशिश में जुटी है। साथ ही प्रतीकों के सहारे भी पार्टी अनुसूचित जाति के महापुरुषों व लोगों को तवज्जो देने का संकेत दे रही है। मंगलवार को राष्ट्रपति के हाथों राजधानी के ऐशबाग में डॉ. आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास कराया जाना इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। 50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस सांस्कृतिक केंद्र में डॉ. आंबेडकर की करीब 25 फुट ऊंची प्रतिमा भी स्थापित की जानी है।

सियासी जानकारों मानें तो राजधानी में राष्ट्रपति के हाथों आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास अनुसूचित जाति के वोटरों को अपने पाले में खड़ा करने की भाजपा की रणनीति का हिस्सा है। भाजपा अनुसूचित जाति के लोगों के बीच लगातार किसी न किसी तरह उनके हितैषी होने और अनुसूचित जाति के महापुरुषों के सम्मान का संदेश देने का अभियान छेड़े हुए है। आंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र अनुसूचित जाति वोट बैंक को आकर्षित करने के लिए भाजपा का एक अहम कदम माना जा रहा है। बसपा प्रमुख मायावती अपने शासनकाल में लखनऊ से लेकर नोएडा तक डॉ. आंबेडकर के नाम पर कई भव्य स्मारक व पार्क बनवा चुकी हैं।

### मायावती जैसा ही दांव

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अनुसूचित जाति के लोगों को लुभाने के लिए अब भाजपा ने भी मायावती जैसा दांव चला है। भाजपा को चुनाव में इसका कितना फायदा होगा यह तो बाद में ही पता चलेगा, लेकिन इतना तो है कि उसके इस दांव ने बसपा खेमे में खलबली जरूर मचा दी है। मायावती की प्रतिक्रिया इसका प्रमाण है। जिन्होंने भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए इसे नाटकबाजी और छलावा बता दिया। मायावती ने योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि डॉ. आंबेडकर व उनके करोड़ों शोषित-पीड़ित अनुयाइयों की उपेक्षा व उत्पीड़न करते रहने के बाद अब विधानसभा चुनाव नजदीक देख यूपी की भाजपा सरकार का बाबा साहेब के नाम पर सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास कराना, यह सब नाटकबाजी नहीं तो और क्या है?

### प्रतीकों की सियासत

*प्रतीकों की सियासत प्रदेश की राजनीति का अहम हिस्सा रही हैं। लंबे समय से सियासी दल अलग-अलग महापुरुषों के नाम, काम और मूर्तियों के सहारे ही संबंधित धर्म, जाति और वर्ग को जोड़ने का प्रयास करते हैं। अनुसूचित जाति के बीच पैठ बनाने के लिए भाजपा डॉ. आंबेडकर को प्रतीक बनाकर संदेश देने में जुटी है। इतना ही नहीं अनुसूचित जाति के लोगों के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की योजनाओं के सहारे भी भाजपा इस वर्ग के लोगों के बीच पकड़ व पहुंच बनाने में जुटी है। इसके लिए पार्टी के अनुसूचित जाति के नेताओं को ही आगे किया गया है। यह बताने की कोशिश की जा रही है कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प के साथ गरीबों, वंचितों, शोषितों, अनुसूचित जाति के लोगों के जीवन को आर्थिक व सामाजिक स्तर पर ऊंचा उठाने के लिए लगातार काम कर रही है। भाजपा अपनी इस मुहिम में कितना कामयाब होती है यह चुनाव नतीजे ही बताएंगे।*

THE TIMES OF INDIA, LUCKNOW
WEDNESDAY, JUNE 30, 2021

# Ambedkar espoused welfare of all, says President Kovind

## Praises UP Govt For Working To Realise His Thoughts

Neha.Lalchandani
@timesgroup.com

**Lucknow:** Laying the foundation stone for a cultural and research centre dedicated to Dr BR Ambedkar in Lucknow on Tuesday, President Ram Nath Kovid hailed the architect of the Constitution as an educationist, economist, jurist, politician, journalist, sociologist and social reformer who also contributed to culture, religion and spirituality.

"A message strongly espoused by Ambedkar in his life and work was that in a democracy, it is the responsibility and duty of the government to ensure the welfare of every single person. I am happy to say that the current government is working on realising the basic principle behind this," the President said.

Kovind said that important places associated with Ambedkar have been developed into pilgrimage sites.

▶Fought for Dalits, P 4

PTI

President Ram Nath Kovind being felicitated by Governor Anandiben Patel and CM Yogi Adityanath in Lucknow on Tuesday

## Ambedkar memorial: PM lauds UP govt

Prime Minister Narendra Modi on Monday hailed the state government for laying of foundation stone for the memorial and cultural centre in the name of Dr BR Ambedkar in Lucknow and said the centre would inspire the youth to follow the ideals of the Dalit icon. "The Bharat Ratna Dr Bhimrao Memorial and Cultural Centre, Lucknow, will further popularise the ideals of respected Dr Babasaheb Ambedkar among the youth. I laud the Uttar Pradesh Government for taking the lead in this effort," the PM tweeted.

PREZ, BJP LEADERS HAIL MEMORIAL MOVE, OPPOSITION SLAMS GOVT

# BR Ambedkar fought for Dalits, equality for women, says Guv

▶Continued from P 1

He pointed out that Lucknow was his 'sneh sthal' as Bodhanand, whom he revered almost as much as his Guru and Pragyanand, who gave Amabedkar his diksha, both lived in the city. "Ambedkar used to visit Lucknow frequently to see them. I thank the UP government for choosing this day to lay the foundation stone for his memorial as this was the day in 1928 that he launched the weekly paper 'Samta'. His life was focussed on establishment of a samta mukul, a sentiment which is present even in the Preamble. His contribution to nation-building and his well-rounded personality give us an introduction to his extraordinary capabilities," the President said.

Governor Anandiben Patel credited Ambedkar for ensuring that the Constitution was not just a legal document but also a social document. She said that she hoped the cultural centre would be an inspiration for the youth.

President Ram Nath Kovind presenting his book, 'Loktantra Ke Swar', to Chief Minister Yogi Adityanath on Tuesday

"He was of extraordinary character and his life as an inspiration for all of us. His contribution in working for India's independence and in the making of the Constitution will be written in golden letters. Ambedkar fought for Dalits, backward classes, equality for women and against ignorance and superstition," she said.

The Governor added that Ambedkar's focus on ensuring that education brings light to the lives of people helped in the construction of the nation.

Chief Minister Yogi Adityanath said that Ambedkar was not just revered in India but every time when Dalits, backwards and marginalised societies were discussed anywhere in the world, Ambedkar's contribution is remembered.

"In 1928, 93 years ago, he started the weekly paper 'Samta', aimed at a samta muluk. The fight for independence was on then and despite all hurdles, he completed his education and also contributed immensely to what India is today. I thank Prime Minister Narendra Modi for ensuring that all sites associated with him, like his birth place in Mau, the centre of his social life in Delhi, Mumbai and even the house in which he lived while he was in London, have been converted to memorials," he said.

The Bharat Ratna Dr Bhim Rao Ambedkar Memorial and Cultural Centre, located in Lucknow's Aishbagh, will feature a 45-foot statue of Ambedkar, an urn containing his ashes, a library, auditorium, research centre etc. The project is expected to cost around Rs 50 crore and sources indicated that a portion of the Centre may be completed by the first week of December so that it can be inaugurated on Ambedkar's death anniversary on December 6, just ahead of the 2022 UP assembly elections.

TOI

President Ram Nath Kovind leaves for New Delhi on Tuesday

## Memorial: Rajnath hails govt

**Lucknow:** Defence Minister Rajnath Singh, who is also the MP from Lucknow, lauded the state government for the memorial after Dr BR Ambedkar.

"President Ram Nath Kovid laid the foundation stone for memorial and cultural centre in the name of Baba Saheb Ambedkar in Lucknow. I thank the President for this. This effort by UP government to spread Baba Saheb's message to every section of society is commendable," he said.

Meanwhile, UP BJP chief Swatantra Dev Singh said the party was following the path shown by Dr Ambedkar by taking along all sections of society. He said that the slogan of Sabka Saath Sabka Vikas and Sabka Vishwas' was driven by Ambedkar's vision. TNN

## BJP indulging in drama, says Maya

TIMES NEWS NETWORK

**Lucknow:** The foundation stone-laying ceremony for a cultural and research centre dedicated to Dalit icon Dr BR Ambedkar turned into a political slugfest with Opposition parties like BSP accusing BJP of trying to milk the Dalit community ahead of the 2022 UP Assembly elections.

Saying that BJP was indulging in drama, BSP chief Mayawati said the party ignored Dr BR Ambedkar and crores of his followers for the entire duration in which they were in power and now, when the assembly elections are round the corner, the government is laying the foundation stone for a cultural centre.

"BSP is not against any centre that is built or set up in Dr Ambedkar's name but to do this for political gains is nothing but being deceitful. If UP government had undertaken this project earlier, the President would not have been laying the foundation stone for it but inaugurating it which would have been better," she said.

She held all parties guilty of drama and deceit in the name of Ambedkar, saying that they were identical when it came to harassing Dalits and backwards, meting out injustice to them and trampling upon their rights.

"Lakhs of reserved posts for Dalits and backward classes in the government are lying vacant and grand memorials and parks made by BSP government in the name of the gurus, seers and well known persons from these communities are lying in neglect since the time of the previous SP government. BSP strongly condemns this," Mayawati said.

# हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

बुधवार, 30 जून 2021, लखनऊ, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण

www.livehindustan.com


**राजधानी में राष्ट्रपतिः आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र का शिलान्यास, शोध करने का सुझाव**

# सर्वहित की राह पर सरकार: कोविंद

लखनऊ | विशेष संवाददाता

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने मंगलवार को लखनऊ में लोकभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में भारत रत्न बाबा साहब डा.भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र का शिलान्यास किया।

उन्होंने खुशी जताई कि प्रदेश की वर्तमान सरकार भगवान बुद्ध के 'भवतु सब्ब मंगलम' की अवधारणा को साकार कर रही है। उन्होंने बताया कि बौद्ध भिक्षु अपनी प्रार्थना के पाठ में बार-बार 'भवतु सब्ब मंगलम' दोहराते हैं। यह वाक्य भगवान बुद्ध के थे, जिसे बाबा साहब डॉ. आंबेडकर भी बार-बार दोहराते थे। भवतु सब्ब मंगलम यानि सब की भलाई।

राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में बाबा साहब ने समता शब्द का उल्लेख किया है, यह जानते थे कि जब तक सरकारें समता मूलक समाज की स्थापना की ओर नहीं चलेंगी, तब तक सभी लोगों का भला नहीं हो सकता।

**45** करोड़ रुपये की लागत से लखनऊ के ऐशबाग में बनेगा आंबेडकर स्मारक

**25** फुट ऊंची प्रतिमा इस स्मारक में आंबेडकर की लगाई जाएगी

## स्मृतियां संजोएंगे : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित डॉ.भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र बाबा साहब की स्मृतियों को जीवंत बनाये रखेगा। यह हमें वंचितों के लिए उनके योगदान की याद दिलाता रहेगा।

लखनऊ के लोकभवन में मंगलवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का सम्मान करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

**बाबा साहब के व्यक्तित्व पर उच्चस्तरीय शोध करें:** लखनऊ के ऐशबाग इलाके में बनने वाले इस स्मारक व सांस्कृतिक केन्द्र के बारे में राष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि यहां प्रस्तावित शोध केन्द्र बाबा साहब के व्यक्तित्व व कृतित्व पर उच्च स्तरीय शोध करे। उन्होंने कहा कि लखनऊ में ही बाबा साहब के नाम पर केन्द्रीय विश्वविद्यालय भी है, इसके और नए बनने वाले सांस्कृतिक केन्द्र के जरिये संविधान शिल्पी बाबा साहब के बहुआयामी कार्यों का पूरी दुनिया में प्रचार-प्रसार और तेजी से हो सकेगा। उन्होंने सांस्कृतिक केन्द्र का निर्माण सुचारू रूप से और समय से सम्पन्न होने की शुभकामना भी दी।


> बाबा साहब की विरासत को संजोएगा लखनऊ पेज 02

# President lays foundation stone of Ambedkar memorial in Lucknow

## Says govt working towards 'Bhavatu Sab Mangalam (may all beings be happy)'

**EXPRESS NEWS SERVICE**
LUCKNOW, JUNE 29

LAYING THE foundation stone for Bharat Ratna Dr Ambedkar Cultural Centre in Lucknow, President Ram Nath Kovind on Tuesday borrowed a piece of the Babasaheb's wisdom to say that we are Indians first, Indians later and Indians even to the end and that religious, caste or community has no place anywhere.

Addressing a gathering a Lok Bhavan after presiding over the foundation stone laying ceremony, the President said the mission of any government should be *'Bhavatu Sab Mangalam'* (may all beings be happy)', adding that he is happy that the present government under Chief Minister Yogi Adityanath is striving to reach this goal.

Mentioning that Ambedkar had always emphasized on the important of politics based on harmony, Kovind said that even during the struggle for independence several freedom fighters would say that we are Hindus and Muslims later and Indians first, and this should be the guiding principle for every citizen going forward. "While other freedom fighters would say we are Indians first and Hindus, Muslims or Christians later, Babasaheb used to say that we are Indians first, Indians later and Indians even to the end," the President said.

"In the chanting by Buddhist monks here, one line that came up repeatedly was *'Bhavatu Sab Mangalam'*. These are the words of Bhagwan Buddha and Babasaheb Ambedkar used them a lot. Babasaheb always emphasised that the mission of any government should be *'Bhavatu Sab Mangalam'* (may all beings be happy). Different political parties can articulate it in different ways like 'Sabka Saath Sabka Vikas' but I appreciate the fact that the present government is working with the aim of *'Bhavatu Sab Mangalam'*," he added.

President Ram Nath Kovid pays tribute to Dr B R Ambedkar at the foundation stone laying event as CM Yogi Adityanath and Governor Anandiben Patel look on. *Vishal Srivastav*

Throwing more light on the life of the Father of the Indian Constitution, the President said, "Babasaheb had a special relationship with Lucknow. Apart from spending a lot of time here, he used to adore the cultural heritage of the city. I also appreciate the initiative of the UP government to build a memorial in his name."

Invoking the ideals of the Dalit icon, Kovind said Babasaheb always worked towards empowering women and providing them equal rights in the society. "Our Constitution provides for equal rights to women, including the Right to Vote. Today, our legal system is following the path suggested by Babasaheb on many issues such as succession of property for women. The multi-dimensional personality of Babasaheb Ambedkar and his contribution to nation building testify to his skills and virtues. We all know he was an educationist, politician, economist, journalist and a socialist, but he also had his invaluable contribution to upholding our cultural, religious and spiritual identities. Four things that were close to Babsaheb's heart were morality, equality, self-respect and Indianness," he added.

Earlier, the President and First Lady Savita Kovind were accorded a warm welcome at the event by the CM. Also among the dignitaries present were Governor Anandiben Patel and Deputy CMs Keshav Prasad Maurya and Dinesh Sharma.

The CM, in his address, the nation will forever be indebted to Ambedkar as the architect of the Constitution and his name and legacy will live on not just in India but wherever justice is delivered to the poor and the downtrodden. "On this day, 93 years ago, Babasaheb started the weekly newspaper 'Samta'. He worked for the betterment of the society. This state-of-the-art museum and cultural centre will carry forward his ideals, principles and legacy," the CM said.

Prime Minister Narendra Modi said that Bharat Ratna Dr Bhimrao Memorial and Cultural Centre at Lucknow will further popularise the ideals of the architect of the Constitution. "The 'Bharat Ratna Dr Bhimrao Memorial and Cultural Centre, Lucknow' will further popularise the ideals of respected Dr Babasaheb Ambedkar among the youth. I laud the Uttar Pradesh government for taking the lead in this effort."

Folk artistes perform on the roadside in Lucknow to welcome President Kovind on Tuesday. *Vishal Srivastav*

### CULTURAL CENTRE

- The Ambedkar Cultural Centre in Lucknow will come up over 5493.52 sq m area in front of Aishbagh Eidgah.
- It will also have a 25ft-statue of the Dalit icon.
- It will be built at a cost of Rs 45.04 crores and feature an auditorium with a capacity of 750 people, a library, research centre, picture gallery, museum and a convention centre.
- It will also have a cafeteria, dormitory and other facilities.
- Last week, the UP cabinet had approved a proposal of the state cultural department for building the cultural centre. The department is likely to start the construction work soon.